अरेबयिन तेंदुए और भेड़यि

[स्रोत: डाउन टू अरथ](#)

ऐतहिासकि रूप से पाए जाने वाले क्षेत्रों में 98% की कमी होने के कारण वर्तमान में अरेबयिन तेंदुए और भेड़यि दोनों की स्थति **गंभीर रूप से संकटग्रस्त (critically endangered)** है, ऐसा माना जा रहा है कि मुख्य रूप से उत्तरी क्षेत्रों, जसिमें **नेगेव तथा जुडयिन रेगसि्तान** शामलि हैं, में इनकी स्थति **वलिुप्त (extinct)** हो गई है।

ढबि और नमि्र (Dhib and Nimr): ढबि और नमि्र (क्रमशः भेड़यि व तेंदुए) के लयि अरबी शब्द हैं।

//

अरेबयिन तेंदुए और भेड़यि की पहचान:

- **अरेबयिन भेड़यि:**
  - **परचिय:**
    - **अरेबयिन भेड़या (कैनसि ल्यूपस अरेब्स)**, भूरे भेड़यि की एक उप-प्रजाति है। अरेबयिन भेड़या **वशि्वभर में सबसे छोटा भेड़या** है, अपनी इस वशिषता के कारण यह वन्यजीवों में सबसे अनूठा और महत्त्वपूर्ण है।
  - **भौगोलकि वसि्तार:**
    - ये भेड़यि मुख्यतः अरब प्रायद्वीप में पाए जाते हैं, जनिमें दक्षणी इज़रायल के नेगेव रेगसि्तान और मध्य पूर्व के कुछ हसि्से शामलि हैं।

- **महत्त्व:**
  - दक्षिणी इज़रायल के नेगेव रेगिस्तान और अरावा घाटी में **अरेबियन भेड़िए प्रमुख शिकारी जानवर हैं** तथा यहाँ के पारिस्थितिकी तंत्र में इनकी महत्त्वपूर्ण भूमिका है। ये भेड़िये सीमित उत्पादकता व संसाधन वाले शुष्क वातावरण में जीने के लिये अनुकूलित हैं।
  - अरेबियन भेड़िये **सियार और लोमड़ियों जैसे छोटे कैनिडाए (मांसाहारी गण के जानवरों का एक कुल)** का भक्षण कर **नेगेव रेगिस्तान में पारिस्थितिकी तंत्र को** विनियमित करने में मदद करते हैं।
  - ये भेड़िये रेगिस्तानी पारिस्थितिकी तंत्र का एक अहम अंग हैं और **शाकाहारी पशुओं की संख्या को बनाए रखने में योगदान देते हैं**, जो उनके पारिस्थितिक महत्त्व को रेखांकित करता है।

- **अरेबियन तेंदुए:**
  - **परिचय:**
    - अरेबियन तेंदुआ (**पेंथेरा पार्डस निम्र**), अरब प्रायद्वीप की एक और महत्त्वपूर्ण किंतु **गंभीर रूप से लुप्तप्राय (critically endangered) प्रजाति** है। ये तेंदुए ऐतिहासिक रूप से **नेगेव और जुडियन रेगिस्तान सहित अरब प्रायद्वीप के विभिन्न हिस्सों** में पाए जाते थे।
  - **भौगोलिक विस्तार:**
    - दुर्भाग्यवश, इन क्षेत्रों में अरबी तेंदुओं की स्थिति दयनीय हो गई है। वर्ष 2023 में प्रकाशित एक अध्ययन में बताया गया है कि **ऐतिहासिक रूप से पाए जाने वाले क्षेत्रों में** तेंदुओं की **संख्या में अत्यंत कमी** आई है जिस कारण इनकी आबादी विभिन्न क्षेत्रों में पहुँचकर खंडित हो गई है।
    - नेगेव और जुडियन रेगिस्तान में संपूर्ण उत्तरी सीमा में यह प्रजाति **विलुप्त (extinct)** मानी जाती है।

- **अरेबियन तेंदुओं और भेड़ियों का संरक्षण:**
  - पारिस्थितिक दृष्टिकोण से देखें तो इन शाकाहारी जीवों के संरक्षण के लिये **पर्याप्त शिकार की उपलब्धता**, **उपयुक्त आवास** और **मानव उत्पीड़न से सुरक्षा** की आवश्यकता है।
  - हालाँकि **जंगली और घरेलू शिकार के लिये संघर्ष**, **सुभेद्य वनस्पतियों की अत्यधिक चराई** एवं **चरवाहों के साथ संघर्ष** इनके लिये प्रमुख चुनौतियाँ हैं।
  - वर्तमान में अरब भेड़ियों के साथ **सह-अस्तित्व को बढ़ावा देने की दिशा में प्रयास किये जा रहे हैं, विशेषकर चरवाहे वाले क्षेत्रों में। साथ ही पारिस्थितिकी तंत्र में इन भेड़ियों की भूमिका के विषय में शिक्षा व जागरूकता को बढ़ावा दिया** जा रहा है।
  - भेड़ियों के संरक्षण व उनके अस्तित्व को बनाए रखने के लिये आवश्यक है कि न केवल भेड़िये, बल्कि वे जिन जानवरों का शिकार करते हैं, मनुष्यों द्वारा उन जानवरों के भी **शिकार दर को कम** किये जाने की आवश्यकता है।

दोनों जानवरों का वर्तमान संदर्भ:

- इसके अतिरिक्त इस क्षेत्र में **इज़राइल** और **फिलिस्तीन** के बीच **चल रहे संघर्ष** के कारण अरबी तेंदुओं के संरक्षण प्रयासों में व्यवधान उत्पन्न हो सकते हैं।
- सशस्त्र संघर्षों में तेंदुए जैसे बड़े मांसभक्षी जानवरों की अनुक्रियाएँ भिन्न हो सकती हैं और इनके **सफल संरक्षण के लिये विभिन्न क्षेत्रों के बीच समन्वय आवश्यक** है।
- संरक्षण प्रयासों के अंतर्गत संभावित रूप से **संघर्ष में मानव समूहों को आपस में जोड़ना**, प्राकृतिक धरोहर के साझा संरक्षण को बढ़ावा देने के साधन के रूप में कार्य कर सकता है।

The Vision

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: (2019)

1. एशियाई शेर प्राकृतिक रूप से केवल भारत में पाया जाता है।
2. दो-कूबड़ वाला ऊँट प्राकृतिक रूप से सिर्फ भारत में पाया जाता है।
3. एक-सींग वाला गैंडा प्राकृतिक रूप से केवल भारत में पाया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

प्रश्न. निम्नलिखित में से कौन-सा जानवरों का समूह संकटापन्न प्रजातियों की श्रेणी में आता है? (2012)

(a) ग्रेट इंडियन बस्टर्ड, मस्क हरिन, लाल पांडा और एशियाई जंगली गधा
(b) कश्मीर बारहसिंगा, चीतल, नीला सांड और ग्रेट इंडियन बस्टर्ड
(c) हिम तेंदुआ, दलदल हरिण, रीसस बंदर और सारस (क्रेन)
(d) शेर-पूंछ वाले मकाक, नीला सांड, हनुमान लंगूर और चीतल

उत्तर: (a)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/arabian-leopards-and-wolves